

ये अव्यक्त इशारे

पुराने संस्कार परिवर्तन कर संस्कार मिलन की रास करो

**2-10-2024**

जो भी पुराने संस्कार हैं और पुरानी नेचर है वह बदल कर ईश्वरीय नेचर बनाओ। कोई भी पुराना संस्कार, पुरानी आदतें न रहें। आपके परिवर्तन से अनेक लोग सन्तुष्ट होंगे। सदैव यही कोशिश करो कि हमारी चलन द्वारा कोई को भी दुःख न हो। मेरी चलन, संकल्प, वाणी, हर कर्म सुखदाई हो -यह है ब्राह्मण कुल की रीति।

**Transform the old sanskars and perform the dance of harmonising sanskars.**

Let your old nature and sanskars change and create a Godly nature. Do not let any old sanskars or old habits remain. Many will become content through your transformation. Always try to make sure that no one receives sorrow through your behaviour. Let my behaviour, thoughts, words and actions all be such that they give happiness – this is the system of the Brahmin clan.

